Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ सावन सोमवार व्रत का महत्व ॥

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ श्रावण में शिव आराधना ॥

श्रावण या सावन का महीना शिवभक्ति से विशेष रूप से जुड़ा है। इस महीने के सोमवार को अनेक भक्त शिवलिंग पर जल, बेलपत्र और पुष्प अर्पित करके व्रत रखते हैं। पूजा का मुख्य भाव मन को शांत रखना और परिवार तथा सबके मंगल की कामना करना है।

सोमवार और शिव का संबंध

सोमवार को शिवजी का स्मरण करने की पुरानी परंपरा है। सावन के सोमवारों में मंदिरों में पूजा, जलाभिषेक और “ॐ नमः शिवाय” का जप किया जाता है। श्रद्धालु उपवास के साथ स्वच्छता, संयम और सेवा का संकल्प भी लेते हैं।

शिव-पार्वती से प्रार्थना

कुछ परिवार शिव और पार्वती से वैवाहिक सद्भाव, स्वास्थ्य तथा घर में सुख की प्रार्थना करते हैं। अविवाहित, विवाहित, महिला और पुरुष सभी अपनी श्रद्धा के अनुसार आराधना कर सकते हैं। किसी के जीवन के परिणाम को व्रत से निश्चित रूप से जोड़ना उचित नहीं है।

श्रावण की क्षेत्रीय गणना

भारत में पूर्णिमांत और अमांत पंचांग की गणना के कारण सावन के आरंभ और सोमवारों की तारीख में क्षेत्रीय अंतर हो सकता है। अपना स्थानीय पंचांग देखें; दूसरे राज्य की सोमवार-सूची को बिना जाँच अपनाने से तिथि बदल सकती है।

॥ भक्ति, प्रकृति और दैनिक आचरण ॥

जल और बेलपत्र अर्पण

शिवलिंग पर स्वच्छ जल चढ़ाना और बेलपत्र अर्पित करना सावन की सामान्य पूजा में शामिल है। बड़ी मात्रा में सामग्री या दूध आवश्यक नहीं। जल का संयमित प्रयोग और पूजा स्थल की सफाई भी इस आराधना का हिस्सा है।

व्रत का मानवीय भाव

श्रद्धा के साथ सत्य बोलना, क्रोध कम करना और दूसरों का सहयोग करना इस व्रत के भाव को जीवन में उतारता है। परिवार में किसी व्यक्ति पर उपवास का दबाव न डालें। जो उपवास न रख सके, वह भी पूजा और नाम-जप कर सकता है।

स्वास्थ्य और संतुलन

व्रत व्यक्ति की क्षमता और स्वास्थ्य के अनुसार होना चाहिए। गर्भावस्था, मधुमेह, नियमित दवाओं या बीमारी में पानी तथा भोजन रोकना जोखिमपूर्ण हो सकता है। आवश्यक चिकित्सा और दवा जारी रखें।

आस्था से मिली प्रेरणा को परिवार की वास्तविक देखभाल, पर्यावरण के सम्मान और उपयोगी सेवा के साथ जोड़ें। धार्मिक फल विश्वास का विषय है, किसी उपचार या आयु की गारंटी नहीं।

॥ ॐ नमः शिवाय ॥